साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 2 | अंक : 29 | गोंदिया : गुरुवार, 24 फरवरी से 2 मार्च 2022 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

३000 करोड़ रुपए का धान खराब होने की संभावना

राज्य सरकार की उदासीनता । शुरु नहीं हुई धान की मिलिंग

बुलंद गोंदिया - महाराष्ट्र में पूर्वी विदर्भ धान उत्पादक जिलों में के रुप में जाना जाता है। जिसमें खरीफ मौसम में 2021-22 में गोंदिया, भंडारा, चंद्रपुर, गढ़चिरौली, नागपुर आदि जिलों में राज्य सरकार द्वारा शासकीय आधारभूत धान खरीदी केंद्रों के माध्यम से लगभग एक करोड़ क्विंटल धान जिसकी लागत 3000 हजार करोड़ रुपए में खरीदी गया है। खरीदे गए धान की समय पर मिलिंग होने से उसके चावल का निर्माण किया जाना आवश्यक है। किंतु महाराष्ट्र सरकार की लापरवाह पूर्ण नीति के चलते अब तक इन जिलों में खरीदे गए धान की मिलिंग शुरु नहीं हो पाई है। साथ ही खरीदे गए धान में से अधिकांश धान खुले मैदानों में असुरक्षित तरीके से रखा गया है। वर्तमान में समय-समय पर बेमौसम बारिश हो रही है। जिससे धान का सड़ना व खराब होना शुरु हो चुका है। लेकिन इस ओर राज्य सरकार द्वारा उदासीनता बरती जा रही है।

क्योंकि राइस मिलर्स मिलिंग के लिए धान नहीं उठा रहे हैं। उन्हें केंद्र शासन के नए नियमों के अंतर्गत चावल का निर्माण करने में भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। कस्टम मिलिंग की दर 10 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई है। जबकि पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश में 250 रु. व छत्तीसगढ़ में 120 रु. प्रति क्विंटल मिलिंग दर तथा 10 अतिरिक्त दिया जा रहा है। इस प्रकार की मांग महाराष्ट्र के राइस मिलर्स ने भी की थी। किंतु इस ओर अब तक राज्य सरकार द्वारा किसी भी तरह का समाधान कारक निर्णय नहीं लिया गया है।

उल्लेखनीय है कि गत वर्ष राज्य शासन द्वारा ही 140 क्विंटल की अतिरिक्त मिलिंग दी थी। अब सरकार द्वारा मिलर्स को उनकी राशि की जप्ती, ब्लैक लिस्ट आदि की धमकी दी जा रही है। राइस मिलर्स द्वारा बनाए गए चावल में से निर्मित चावल में से खराब चावल लेने का भी प्रलोभन दिया जा रहा है। शासन द्वारा कस्टम मिलिंग के माध्यम से निर्माण किए गए चावल शासकीय वितरण प्रणाली में राशन दुकानों में वितरण किया जाता है। जिसमें अंत्योदय, शालेय पोषण आहार का समावेश है। जो समें महिलाएं, बुजुर्गों व बच्चों को खाने दिया जाता है। अगर चावल की गुणवत्ता खराब होंगी तो उनके स्वास्थ्य पर विपरीत परिणाम होंगे। लेकिन इन सब बातों पर शासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नहीं दिया जा रहा है। केंद्र की इस योजना के प्रति उदासीन है। साथ ही 2022 में गत वर्ष की तुलना में धान खरीदी की समय सीमा भी कम की गई व लगभग 30 प्रतिशत धान कम खरीदा गया, जिससे किसानों को भी नुकसान हुआ है।

विशेष यह है कि खरीफ मौसम के धान की मिलिंग न होने से निश्चित रुप से ही रबी मौसम की धान खरीदी शासन द्वारा नहीं की जाएंगी या बहुत ही कम होंगी, जिससे किसानों के साथ सरकार द्वारा अन्याय किया जा रहा है। चावल का निर्माण करने के लिए राइस मिलर्स को 10 रु. प्रति क्विंटल मिलिंग दर दिया जाना अन्याय है। जबकि आटा चक्की में प्रति किलो 20 तथा प्रति क्विंटल 2000 में मिलीग हो रही है। राज्य सरकार की इसी नीति के चलते गत वर्ष विलंब से आदेश दिए जाने के फलस्वरुप 65 करोड़ रुपए का 2.50 लाख क्विंटल धान सड़कर खराब हो चुका है। जो अब मवेशियों के भी खाने लायक भी नहीं बचा है।

राज्य सरकार इस विषय पर तत्काल निर्णय लें, अन्यथा धान को सड़ने व खराब होने की जिम्मेदारी वाहन करें तथा राइस मिलर्स की मांग को सरकार द्वारा जल्द से जल्द समाधानकारक हल करने की मांग गोंदिया जिला राइस मिल एसोसिएशन द्वारा की गई है।

छात्रा के सिर पर हथौड़े से वार कर की जघन्य हत्या

आरोपी ने खुद को किया जखमी

गोंदिया तहसील के झिलमिली-चिरामनटोला मार्ग की घटना

बुलंद संवाददाता खातिया - गोंदिया तहसील के रावणवाड़ी पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम झिलमिली- चिरामनटोला मार्ग पर 23 फरवरी की शाम 5.00 बजे के दौरान चिरामनटोला निवासी भाग्यश्री गोपाल हरिनखेडे (18) की आरोपी युवक द्वारा हथौड़े से सर पर वार कर जघन्य हत्या कर दी गयी। इस घटना के पश्चात आरोपी युवक दुर्गाप्रसाद गणेश राहंगडाले (20) ने स्वयं को भी जख्मी कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चिरामन टोला निवासी भाग्यश्री गोपाल हरिनखोडे यह 23 फरवरी की शाम 5.00 बजे के दौरान कोचिंग क्लास से अपने घर की ओर जा रही थी। इसी दौरान दासगांव निवासी आरोपी युवक दुर्गाप्रसाद गणेश राहंगडाले द्वारा उसे बीच रास्ते में रोककर भारी हथोड़े से सिर पर वारकर जघन्य हत्या कर दी। जिसमें छात्रा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना एक तरफा प्यार के चलते की गई है। इस घटना की जानकारी रावणवाड़ी पुलिस को प्राप्त होते ही रावणवाड़ी पुलिस थाने के प्रभारी उद्धव डमाले घटनास्थल पर पहुंच मामले की जांच शुरु की है।

ग्रामीण सड़को पर नहीं दौड़ रही लालपरी, सुरक्षित सफर के इंतजार में ग्रामीण

बुलंद गोंदिया - गोंदिया डिपो की सात यात्री बसों की सेवा शुरु कर दी गई है, जो प्रतिदिन गोंदिया से नागपूर तक 14 फेरियां लगाकर यात्रियों को सेवा देने का काम कर रही है। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के गांवो की सड़को पर दौड़ने वाली लालपरी यात्रियों की नजरों से ओझल हो चुकी है। जिसके सुरक्षित सफर के लिए ग्रामीण पिछले साड़े तीन माह से बांट जोहते नजर आ रहे है। ग्रामीण निजी वाहनों से सफर कर खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे है।

गौरतलब है कि एसटी कर्मियों के आंदोलन के चलते जिले की सड़कों पर दौड़ने वाली गोंदिया डिपो की करीब 80 बसों के पहिए थमने से यात्रियों सहित विद्यार्थियों को ढेरों परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है। वे वर्तमान में निजी वाहनों से असुरक्षित सफर तय कर रहे है। यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर पर्याप्त सुविधाओं के तहत डिपो की 7 यात्री बसे शुरु की गई, जो गोंदिया से नागपूर तक यात्रियों को सेवा देने का काम पिछले एक माह से कोहमारा व तुमसर मार्ग से दौड़ लगाकर कर रही है। जिले के अधिकांश मार्गो की यात्री सेवा अब भी ठप पड़ी है। ग्रामीण क्षेत्रों के दुर्गम, अतिदुर्गम क्षेत्रों के गांवो में पहुंचकर यात्रियों को सेवा देने का काम कर रही थी, उन बसों के पहिए अब भी थमे होने से बसों की सुरक्षित सेवा के लिए ग्रामीण तरसते नजर आ रहे है। ग्रामीण क्षेत्रों की सड़को पर दौड़ने वाली लालपरी पिछले साड़े तीन माह बंद है। इन यात्रियों को मजबूरी में असुरक्षित सफर तय करना पड़ रहा है।

स्कूलों में नहीं पहुंच रहे विद्यार्थी

शहर की स्कूल, कॉलेज में ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों की कमी खल रही है, जो शिक्षा का पाठ पढ़ने एसटी की 28 बसों से स्कूल, कॉलेज में पहुंचते थे। उन मार्गो की बसों की सेवा ठप हो जाने से अधिकांश गांवो के विद्यार्थी शिक्षा से वंचित नजर आ रहे है। जो एसटी बसों से स्कूल और कॉलेज में पहुंचते थे।

प्रतिदिन दौड़ रही 7 यात्री बसे

डिपो की 7 यात्री बसे गोंदिया से नागपूर तक दौड़ लगा रही है। प्रतिदिन 12 से 14 फेरियां लग रही है। ग्रामीण मार्गो की बसे चालक-वाहक की कमी की वजह से ठप है। सुविधा के मुताबिक यात्रियों को सेवा दी जा रही है।

- महफूज खान, यातायात निरीक्षक
एसटी डिपो, गोंदिया

वन्यजीवों को मौत के कुओं से बचाने श्यामाप्रसाद मुखर्जी का सुरक्षा कवच

वनविभाग ने शुरु किया खुला कुआ खोज अभियान

बुलंद गोंदिया - संरक्षित वन क्षेत्र से सटे खेत परिसरों में कुओं का निर्माण किया गया है। लेकिन सुरक्षा दीवार नहीं होने के कारण अनेक वन्यजीव कुएं में गिर जाते हैं। जिससे उनकी मौत हो जाती है। ऐसे कुओं पर सुरक्षा दीवार तैयार करने के लिए वन विभाग ने कुआ खोज अभियान शुरु कर दिया है। बताया गया है कि डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी जन-वन विकास योजना के तहत कुओं पर सुरक्षा दीवार तैयार की जाएगी।

गौरतलब है कि गोंदिया वन विभाग व नागझिरा अभयारण्य की सीमा से सटकर जिले में अनेक ग्राम है। जहां किसानों की खेती जंगलों से सटकर है। फसलों को सिंचाई के लिए किसानों द्वारा कुओं का निर्माण किया है। लेकिन अनेक कुओं को सुरक्षा दीवार नहीं होने के कारण वन्यजीव इन कुओं में समा जा रहे है। जिससे अनेक वन्यजीवों की मौत हो रही है। अब तक कुओं में गिरने से अनेकों वन्यजीवों की मौत घटना घटित हो चुकी है। वन्यजीवों की सुरक्षा को देखते हुए वन विभाग ने जंगल से सटे खुले कुओं का खोज अभियान शुरु कर दिया है। बताया जा रहा है कि जिन कुओं को सुरक्षा दीवार नहीं है, ऐसे सभी कुओं पर वन विभाग द्वारा सुरक्षा दीवार तैयार की जाएगी। जिससे वन्यजीवों को कुओं में गिरने से बचाया जा सके। डॉ. मुखर्जी जन-वन विकास योजना के तहत खुले कुओं पर सुरक्षा कवच अर्थात दीवार तैयार की जाएगी। इस संदर्भ में उपवन संरक्षक विभाग द्वारा सभी वन परिक्षेत्र कार्यालय को सूचना देकर कुओं की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए है।

कुओं पर बनाई जाएगी सुरक्षा दीवार

जंगल से सटे खेतों में कुए निर्मित है। लेकिन कुछ कुओं पर सुरक्षा दीवार बनाई नहीं गई है। जिस कारण यह कुए वन्यजीवों के लिए खतरा बन रहे है। ऐसे कुओं की सूची तैयार कर डॉ. श्यामप्रसाद मुखर्जी जन-वन विकास योजना के तहत कुओं पर सुरक्षा दीवार तैयार की जाएगी। जिससे वन्यजीवों को कुओं में गिरने से बचाया जा सकता है।

- प्रविण साठवने, आरएफओ,
वन परिक्षेत्र कार्यालय, गोरेगांव

नगर परिषद आम चुनाव २०२२

बुलंद गोंदिया सर्वेक्षण

सभी प्रभागों के पूर्व पार्षदों के कार्यों का लेखा-जोखा

नये उम्मीद्वारों के शहर के विकास संबंधी विचार

नये उम्मीद्वारों के संदर्भ में जनता की राय

जल्द ही... आगामी अंकों में...

१६ रेती घाटों की हुई निलामी मिलेगा १० करोड़ का राजस्व

बुलंद गोंदिया - लंबे इंतजार के बाद पर्यावरण विभाग की हरी झंडी मिलने से जिले के 18 रेती घाटों की निलामी 21 फरवरी को की गयी। जिसमे 16 रेती घाटों की ऑनलाइन नीलामी से जिला खनिकर्म विभाग की तिजोरी में 10 करोड़ रुपयों का खजाना जमा हो जाएगा, वहीं रेती तस्करी पर भी रोक लग जाएगी। साथ ही लाभार्थियों को भी सस्ते दाम में रेती उपलब्ध हो सकेगी।

गौरतलब है कि गत दो-तीन वर्षों से समय पर रेती घाटों की नीलामी नहीं होने से जिले में बड़े पैमाने पर रेत माफियाओं द्वारा खनन कर अवैध व्यापार किया जा रहा था। जिससे शासन की तिजोरी पर प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा था। इस गंभीर समस्या को देखते हुए जिलाधिकारी नयना गुंडे, अपर जिलाधिकारी राजेश खवले व जिला माइनिंग अधिकारी सचिन वाढवे द्वारा इस वर्ष विशेष प्रयास कर पूरे विदर्भ में गोंदिया जिले में सबसे पहले रेती घाटों की नीलामी की गई है। जिससे अब आगामी वर्ष में रेती चोरी पर काफी हद तक अंकुश लग पाएगा। विशेष यह कि गोंदिया जिले से वैनगंगा, बाघनदी, चुलबंद नदी, गाढ़वी नदी तथा पांगोली नदी प्रवाहित होती है। इन नदियों से उत्कृष्ट दर्जे की रेती निर्मित होती है, जिसकी मांग जिले सहित अन्य जिलों में होती है। इन नदियों के रेती घाटों से जिला खनिकर्म विभाग को करोड़ों रुपए का राजस्व प्राप्त होता है। लेकिन विगत वर्ष से रेती घाटों की निलामी नहीं होने के कारण विभाग को करोड़ों रुपयों का नुकसान सहन करना पड़ा। इतना ही नहीं, इन रेती घाटों से अवैध उत्खनन कर रेती के तस्करों ने पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाया है। जिला प्रशासन ने इन रेती घाटों की निलामी के लिए पर्यावरण विभाग के पास मंजूरी हेतु प्रस्ताव भेजा था। लेकिन समय पर मंजूरी नहीं मिलने के कारण रेती घाटों से अवैध रुप से रेती का उत्खनन बड़े पैमाने पर किया गया। लंबे इंतजार के बाद पर्यावरण विभाग ने जिले के रेती घाटों को निलामी की मंजूरी दे दी है। मंजूरी मिलते ही जिले के 18 रेती घाटों की निलामी प्रक्रिया शुरु की गई। सोमवार 21 फरवरी को 18 रेती घाटों की ऑनलाइन निलामी की गयी। जिसमे 16 रेती घाटो की हुई।

निलामी इस निलामी से जिला खनिकर्म विभाग की तिजोरी में 10 करोड़ रुपयों का राजस्व जमा होगा। वहीं रेती की तस्करी पर लगाम लगेगा और लाभार्थियों को ऊंचे दाम में मिलने वाली रेती सस्ते दाम पर मिल पाएगी।

इन घाटों की हुई नीलामी

गोंदिया तहसील के पुजारीटोला, तेढ़वा, बनाथर, महालगांव, साईटोला, देवरी, बिरसोला, तिरोड़ा तहसील के बिरोली, मांडवी, घाटकुरोडा, सड़क अर्जुनी तहसील के सावंगी, सांवगी-2, सौंदड़, पिपरी-2, पलसगांव राका, आमगांव तहसील के मानेकसा व अर्जुनी मोरगांव तहसील के इन रेती घाटों की नीलामी हुई।

विदर्भ में सर्वप्रथम हुई नीलामी

इस वर्ष गोंदिया जिले में सबसे पहले रेत घाटों की नीलामी की गई है। 18 घाट नीलामी प्रक्रिया में रखे गए थे, जिनमें से 16 रेती घाट नीलाम हुए हैं। जिससे शासन को करीब 10 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। शेष दो रेती घाटों की नीलामी की प्रक्रिया भी जल्द ही शुरु की जाएंगी।

- सचिन वाढवे
जिला खनिकर्म अधिकारी गोंदिया

संपादकिय

जनता के लिए सुधरें

बैठकों की संख्या से यह पता नहीं चलता कि बैठक में हुई चर्चा के विषय कैसे थे और उन विषयों पर हुई चर्चा कितनी महत्वपूर्ण या फलप्रद थी। मगर कामकाज के घंटे कम होते जाना अच्छे संकेत नहीं हैं।

आजकल जब पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया चल रही है, यह सवाल ज्यादा मौजूं हो जाता है कि करोड़ों के खर्च और महीनों के थका देने वाले प्रचार अभियानों के बाद चुनकर आई विधानसभाएं काम कितना करती हैं। इस संबंध में उपलब्ध आंकड़ों से जो तस्वीर उभरती है, उसे खास उत्साहवर्धक नहीं कहा जा सकता। इसके मुताबिक, पिछले एक दशक में ज्यादातर विधानसभाओं का सालाना औसत बमुश्किल 30 दिन बैठता है, जो लोकसभा के सालाना औसत (63 दिन) से काफी कम है। लेकिन लोकसभा का भी यह औसत तब बहुत कम लगने लगता है, जब हम अन्य देशों पर नजर डालते हैं।

अमेरिका में प्रतिनिधिसभा का साल 2020 में 163 दिन और 2021 में 166 दिन कामकाज का रेकॉर्ड रहा, जबकि सीनेट का दोनों साल 192 दिनों का। ब्रिटेन में हाउस ऑफ कॉमंस की 2020 में 147 बैठकें हुईं, हालांकि पिछले एक दशक में उसका सालाना औसत 155 दिनों का है। साफ है कि अपने देश में हालात विकसित देशों की तुलना में काफी खराब हैं। हालांकि किसी खास साल में विधायका की कम बैठकों के पीछे कोई विशेष परिस्थिति हो सकती है। उदाहरण के लिए, 2020 और 2021 में महामारी ने इन बैठकों को प्रभावित किया।

राज्यों के संदर्भ में राष्ट्रपति शासन जैसी मजबूरियां भी किसी खास साल में इन बैठकों की संख्या कम कर देती हैं। लेकिन बात किसी खास साल की है ही नहीं। अपने देश में विधानसभाओं की कम बैठकें स्थायी प्रवृत्ति की तरह बनी हुई हैं, जो दशकों के औसत में सही ढंग से उभर कर आती हैं। कई बड़े राज्यों में इसमें सिलसिलेवार गिरावट का ट्रेंड दिखता है। उदाहरण के लिए, यूपी में साठ के दशक से अस्सी के दशक तक जो सालाना औसत 47 दिनों का था, वह सदी के अंत तक आते-आते 30 दिन हो गया और अब महज 22 दिन है।

ऐसे ही तमिलनाडु में 1955 से 75 के बीच सालाना बैठकों का जो औसत 56 दिनों का था, वह 1975 से 1999 के बीच घटकर 51 हुआ और 2000 के बाद की अवधि में 37 दिन पर आ गया है। हालांकि इन आंकड़ों के साथ कई तरह का अधूरापन भी जुड़ा हुआ है। एक तो यह कि बैठक कितने घंटे चली इसका ब्योरा इसमें शामिल नहीं है। चाहे कार्यवाही दो-तीन घंटे में स्थगित हो गई हो या पूरे दिन चली हो, उसे एक बैठक माना गया है। दूसरी बात यह कि विधायक या जनप्रतिनिधि का काम सिर्फ विधानसभा की बैठक में शामिल होना नहीं होता। तीसरी बात यह कि बैठकों की संख्या से यह पता नहीं चलता कि बैठक में हुई चर्चा के विषय कैसे थे और उन विषयों पर हुई चर्चा कितनी महत्वपूर्ण या फलप्रद थी। मगर इन सीमाओं के बावजूद विधायिका के कामकाज के घंटों का सिमटते जाना इनकी अहमियत में गिरावट का संकेत है, जिसे गंभीरता से लेना चाहिए।

जानलेवा जुनून

तमाम जागरुकता अभियानों और अनेक हादसों के उदाहरण सामने होने के बावजूद विचित्र है कि युवाओं में खतरनाक ढंग से सेल्फी लेने, तस्वीरें खींचने-खिंचाने का जुनून कम नहीं हो पा रहा। न जाने कितने किशोर और युवा रेल पटरियों पर आती गाड़ियों के सामने, ऊंचे पहाड़ों, पुलों की खतरनाक ऊंचाइयों आदि पर पहुंच सेल्फी खींचने के चक्कर में मौत के मुंह में समा चुके हैं। ऐसी घटनाओं की खबरें तमाम अखबारों, टीवी चौनलों से दिखाई-बताई जाती रही हैं। इसे लेकर खूब बहसें भी चलीं, स्कूलों में जागरुकता अभियान चलाए गए, पर हैरानी कि ऐसी घटनाएं कम नहीं हो रही हैं।

ताजा समाचार है कि गुरुग्राम में रेल की पटरियों पर वीडियो बना रहे चार युवक इसी तरह गाड़ी के नीचे आकर जान गंवा बैठे। ऐसा नहीं माना जा सकता कि उन युवाओं को इस खतरे का भान नहीं था, मगर उन पर खतरों से खेल कर तस्वीर उतारने और सोशल मीडिया पर चस्पां करने का ऐसा जुनून सवार था कि चालक के बार-बार भोंपू बजाने के बावजूद वे पटरी से नहीं हटे और तेज रफ्तार गाड़ी के नीचे आकर जान गंवा बैठे।

जब से हर हाथ में मोबाइल और इंटरनेट आया है, सोशल मीडिया पर युवाओं की सक्रियता बढ़ गई है। हालांकि कई युवा बहुत रचनात्मक काम भी कर रहे हैं, फिल्में वगैरह बना कर पैसे भी कमा रहे हैं, पर वहां बड़ी संख्या में ऐसे युवक भी मौजूद हैं, जो सिर्फ अपनी तस्वीरें डाल कर पसंद पाने का लोभ पाले रहते हैं। यू-टयूब आदि पर अपना चैनल चलाने, वीडियो डालने की मुफ्त व्यवस्था है, इसलिए बहुत सारे युवक गली-नुक्कड़ के खानपान, पहाड़ों-नदियों की सैर, प्रसिद्ध जगहों के बारे में जानकारियां देते हुए वीडियो डालते देखे जाते हैं।

कोई रसोई के नुस्खे डाल रहा है, तो कोई स्वास्थ्य, योगासन, आयुर्वेद आदि के अधकचरे ज्ञान उंड़ेल रहा है। सस्ती हंसी-मजाक वाली तस्वीरों के रसिया भी बहुत हैं। राजनीतिक दलों और उनके नेताओं को लेकर हास्य-व्यंग्य के आपत्तिजनक वीडियो और तस्वीरों की भी वहां बाढ़ आई हुई है। इतने तरह की सामग्री सोशल मीडिया पर भरी पड़ी है कि आजकल हर युवा उनमें से अपने लिए सामग्री चुन ही लेता है और फिर उन्हीं के प्रभाव में खुद भी वैसी ही सामग्री परोसने का प्रयास करता देखा जाता है। गुरुग्राम के ताजा हादसे में जो चार युवक रेल के नीचे आकर मारे गए, उनमें भी कुछ इसी तरह का जुनून रहा होगा। तेज रफ्तार आती हुई रेल के साथ कुछ रोमांचक तस्वीर उतारने की कोशिश कर रहे थे।

दरअसल, आज की युवा पीढ़ी का रोमांच भी सोशल मीडिया से बनने-बिगड़ने लगा है। केवल तस्वीरें उतारने का नहीं, गीत-संगीत का शौक भी आजकल इस कदर बढ़ा है कि वे हर समय तेज आवाज में संगीत सुनते देखे जाते हैं। चाहे वे घर में हों, रास्ता चल रहे हों या किसी भीड़भाड़ वाली जगह पर हों, सड़क पार कर रहे हों, कान में इयर प्लग ठूंसे तेज आवाज में गीत-संगीत सुनते और थिरकते देखे जाते हैं।

वाहन चलाते हुए भी तेज आवाज में संगीत चल रहा होता है। इसकी वजह से भी बहुत सारे युवा हादसों की भेंट चढ़ गए। हालांकि परिवहन विभाग ने इस तरह वाहन चलाने पर भारी जुर्माने का प्रावधान किया है, मगर युवा कब नियम-कायदों को मानने लगे। उन्हें तो नियम तोड़ने में भी रोमांच अनुभव होता है। युवाओं में बढ़ती इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए परिवार और समाज के स्तर पर ही प्रयास हों, तो कुछ फलीभूत हो सकते हैं।

बहुतों की आखों में खटकते है,
कुछ सपने इर्द गिर्द ही भटकते है,
बस अपनों की कीमत समझते है,
अब आंसू रुकते नहीं बस छलकते है,

अब लगता है बस चले जाए कही,
इन मुसीबतों से दूर चले जाए कही,
पर मिली वो कभी हमें तासीर नही,
भागते रहना मुसीबतों का इलाज नही,

बहुत बैचौनी है इस दिल में,
विचार घूमते रहते है ख्याल में,
दौड़ते है जिंदगी की रेलम रेल में
अब बस जीतना है इस खेल में...

रिया गाजीपुरे

साप्ताहिक राशिफल

मेष : किसी पारिवारिक स्थिति में एक बुजुर्ग को अपने साथ रखना आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। प्रेम संबंधों के लिए यह सप्ताह रोमांचभरा रहेगा। किसी चीज के आयोजन के लिए हर तरह से प्रयास करने की आपकी सभी प्रशंसा करेंगे। किसी ऑफिशियल यात्र पर जाना फायदेमंद साबित होगा।

वृषभ : प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट में पढ़ रहे छात्रें को जॉब के अच्छे ऑफर मिलने की संभावनाएं हैं। शेयर मार्केट से जुड़े लोग ज्यादा लालच दिखाने से बचें, वरना वित्तीय मोर्चे पर आप खुद को मुसीबत में पा सकते हैं। आपके द्वारा दिखाए गए व्यक्तित्व के चलते कोई आपसे मदद मांगने से हिचकिचा सकता है। कार्यक्षेत्र पर आपको सौंपा गया कोई काम सुचारु रुप से आगे बढ़ेगा।

मिथुन : किसी प्रॉपर्टी से लाभ की उम्मीद की जा सकती है। इस सप्ताह अपने खर्चों को कम करने की कोशिश करें और बचत पर ध्यान दें। किसी व्यक्ति के प्रति आपकी चिंता को देखकर दूसरों को अच्छा महसूस होगा। करियर को लेकर समय अच्छा चल रहा है।

कर्क : परिवार में किसी समारोह का आयोजन कर सकते हैं, जहां सबसे मिलना मजेदार साबित होगा। कोई व्यक्ति जो आपकी काबिलियत पर हमला कर रहा है, उससे लड़ने के लिए आपको बुद्धिमानी से काम लेने की आवश्यकता हो सकती है।

सिंह : कार्यक्षेत्र पर आप अपनी गति बढ़ाने और समय सीमा के अंदर किसी काम को पूरा करने में सफल होंगे। किसी के साथ अपनी निजी आर्थिक जानकारी बिलकुल शेयर न करें। आपके द्वारा की गई कोई शुरुआत आपके पक्ष में काम करेगी।

कन्या : इस सप्ताह आर्थिक स्थिति मजबूत होने के चलते खुलकर खर्च कर पाने में समर्थ होंगे। किसी प्रॉपर्टी को खरीदने या देखने के लिए समय अनुकूल चल रहा है। अपने विचारों को लागू करना सबसे संतोषजनक साबित होगा। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आने वाला समय अच्छा साबित होगा।

तुला : इस सप्ताह सामाजिक मोर्चे पर आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी। यह सप्ताह धन के लिहाज से आपके लिए काफी लाभप्रद साबित होगा। कई स्रोत्रें से धनलाभ के योग बन रहे हैं। वर्तमान में आप अपने काम का पूरी क्षमता के साथ निर्वहन करने में कामयाब होंगे।

वृश्चिक : आपके द्वारा की गई डोनेशन और चौरिटी के चलते आपकी लोकप्रियता में भारी इजाफा होगा। प्रेम संबंधों के लिए समय अनुकूल चल रहा है। किसी कठिन परीक्षा या प्रतियोगिता में सफलता प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

धनु : अच्छी आय के संकेत मिल रहे हैं। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ यात्र करना मजेदार साबित होगा। इस सप्ताह आप कार्यक्षेत्र पर काम की गति को बढ़ाने का प्रबंध करने में सफल होंगे। किसी बड़े ऑर्डर के मिलने की संभावना है।

मकर : आर्थिक रुप से आपकी स्थिति मजबूत रहेगी और आपको धन कमाने के सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। किसी के द्वारा दिए गए रेड कार्पेट ट्रीटमेंट से आप काफी प्रभावित होंगे। किसी बीमारी से प्रभावित चल रहे लोग उसे नियंत्रित करने में सफल होंगे। कार्यक्षेत्र पर चीजें आपके पक्ष में आनी शुरु होंगी, विशेष रुप से नई शुरुआत करने वालो की।

कुंभ : अपने साथी के साथ अपने रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए संबंधों पर ध्यान देने की जरुरत है। कार्यक्षेत्र पर आप अधिक से अधिक काम लेने की कोशिश कर रहे हैं जिसे संभालना आपके लिए मुश्किल हो सकता है, इसलिए उतना ही काम लें जितना कि आप संभाल सकें। खर्चों पर नियंत्रण रखे।

मीन : आपके रोमांटिक प्रयासों की जल्द ही सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने की संभावना है, इसलिए जीवन में रोमांस के लिए तैयार रहें। अकेले यात्र करने से अच्छा किसी के साथ यात्र पर जाने की योजना बनाना सही निर्णय होगा।

ऑनलाइन सेफ रहें बच्चे

अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों से जुड़े दो सीनेटरों ने किड्स ऑनलाइन सेयटी बिल 2022 पेश किया है। इस बिल में ऐसे कई प्रावधान हैं जिनके जरिए टेक कंपनियों को उनके प्रोडक्ट्स का संभावित दुरुपयोग रोकने वाले फीचर्स डालने के लिए राजी किया जा सकेगा और उन्हें उनके प्रोडक्ट्स के संभावित दुष्परिणामों को लेकर ज्यादा जिम्मेदार बनाया जा सकेगा।

सोशल मीडिया के बच्चों पर पड़ते नेगेटिव असर को लेकर दुनिया भर में लंबे अर्से से चिंता जताई जाती रही है। अब अमेरिकी कांग्रेस ने इस मामले में ठोस पहल की है। वहां रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों से जुड़े दो सीनेटरों ने किड्स ऑनलाइन सेयटी बिल 2022 पेश किया है। जैसा कि स्पष्ट है, दोनों पार्टियों के सीनेटर मिलकर यह बिल लाए हैं, इसे पक्ष-विपक्ष दोनों का समर्थन हासिल है, इसलिए बिल के दोनों सदनों से पारित होने में किसी तरह की समस्या नहीं होनी चाहिए। बिल में ऐसे कई प्रावधान हैं जिनके जरिए टेक कंपनियों को उनके प्रोडक्ट्स का संभावित दुरुपयोग रोकने वाले फीचर्स डालने के लिए राजी किया जा सकेगा और उन्हें उनके प्रोडक्ट्स के संभावित दुष्परिणामों को लेकर ज्यादा जिम्मेदार बनाया जा सकेगा। उदाहरण के लिए, इसके मुताबिक सोशल मीडिया कंपनियों को यूजर्स की खातिर प्राइवेसी का विकल्प देना होगा और ऐसे फीचर्स जिनकी लत लगने की संभावना हो, उन्हें डिसेबल करने की सुविधा भी देनी होगी। इसी तरह ऐप में ऐसे टूल देना अनिवार्य होगा, जिनके जरिए पैरंट्स इस पर नजर रख सकें कि बच्चे ऐप पर कितना वक्त बिता रहे हैं। यही नहीं, इन कंपनियों से यह भी अपेक्षा रहेगी कि वे बच्चों को संभावित नुकसानों से बचाने की दिशा में लगातार प्रयासरत रहें। यह देखते रहें कि बच्चे उनके प्रोडक्ट्स की वजह से खुदकुशी करने या खुद को नुकसान पहुंचाने की दिशा में न प्रवृत्त हों।

इसके अलावा बिल में यह भी कहा गया है कि कंपनियां अपना दायित्व सही ढंग से निभा रही हैं या नहीं यह देखने की भी स्वतंत्र व्यवस्था होनी चाहिए। सोशल मीडिया कंपनियों के लिए नाबालिग यूजर्स से जुड़े डेटा शोध संस्थानों या निजी शोधकर्ताओं से साझा करना भी अनिवार्य होगा ताकि बच्चों के बिहेवियर पैटर्न में बदलाव और उनसे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर रिसर्च का काम निर्बाध रुप से आगे बढ़े। अमेरिकी कांग्रेस की इस ठोस पहल के पीछे पिछले कई महीनों से वहां इस मसले पर जारी गंभीर विचार-विमर्श की अहम भूमिका रही है, जिसकी शुरुआत फेसबुक को लेकर पिछले साल हुए खुलासों से ही हो गई थी। हालांकि फेसबुक ने पूर्वकर्मियों के इन आरोपों को गलत बताया कि वह यूजर्स की सेयटी के ऊपर मुनाफे को तरजीह दे रही थी, लेकिन इस विवाद से टेक कंपनियों पर कानूनी अंकुश की जरुरत रेखांकित हो गई। यह बिल कानून में बदल जाता है और इस पर ठीक से अमल होने लगता है तो बहुत संभव है कि इसका काफी कुछ फायदा अन्य देशों के यूजर्स तक अपने आप पहुंचने लगे। लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। अन्य देशों को भी अपने यहां की विशिष्ट परिस्थितियों के मद्देनजर यूजर्स की सेयटी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। इसमें और देर करना ठीक नहीं।

इंजिनियर की नौकरी चली गई लॉकडाउन में पर हिम्मत नहीं हारी

खेती कर की लाखों की कमाई

बुलंद गोंदिया - पुणे की एक ऑटोमोबाईल कंपनी में सर्विस कन्सलटंट इंजिनियर के पद पर नौकरी करने वाले 26 साल के पंकज रामलाल पटले की नौकरी लॉकडाउन में चली गई लेकिन वह हिम्मत नहीं हारा। अब स्वयं की खेती में विभिन्न नगद फसल, बकरी एवं मुर्गियां पालकर लाखों की कमाई कर रहा है। इस काम से इंजिनियर पंकज पुरी तरह से संतुष्ट होकर अब उसका पुरा परिवार खुशियाल है। वर्ष 2020 के शुरुआत से ही कोरोना महामारी ने अपने पाव तेजी से पसारना शुरु कर दिया। महाराष्ट्र में कोरोना महामारी के चलते पुरे महाराष्ट्र को लॉकडाउन कर दिया गया था। जिस कारण हजारों कंपनियां बंद कर दी गई थी। जिससे लाखों की नौकरी चली गई। इसी दौरान गोरेगांव तहसील के रामाटोला निवासी पंकज रामलाल पटले नामक युवक पुणे में स्थित ऑटोमोबाईल कंपनी में सर्विस इंजिनियर के पद पर काम करता था। लॉकडाउन के चलते पंकज की नौकरी चली गई। बड़े मुश्किल से पंकज रामाटोला अपने पैतृक गांव पहुंच पाए। पंकज ने बताया कि बी.ई. मैकेनिकल इंजिनियर की डिग्री पास कर 2019 में पुणे में स्थित ऑटोमोबाईल कंपनी में लाखों रुपए के पैकेज में सर्विस इंजिनियर के पद पर काम करता था। लेकिन कोरोना महामारी के कारण 2020 में नौकरी से बंद कर दिया गया। जिस कारण मै और मेरा परिवार मुश्किल में आ गया था। लेकिन मैने हिम्मत नहीं हारी। खेती में अपना भविष्य आजमाना शुरु कर दिया और 2021 में नगद फसल के रुप में ककडी, लौकी, पपिता आदि फसलों का उत्पादन शुरु कर दिया। जिसमें अच्छा-खासा मुनाफा मिलने लगा। इसी के साथ देशी मुर्गियां व देशी बकरियों का पालन भी शुरु कर दिया है। माता-पिता ने इस काम में हाथ बटाया। आज मै इतना संतुष्ट हुं कि लाखों रुपयों की आमदनी मुझे इस व्यवसाय से मिल रही है। जितना मजा नौकरी करने में नहीं आता उससे कई गुणा मजा खेती करने में आ रहा है।

खेती में ही भविष्य

मेरे परिवार का सपना था कि मै एक अच्छा सफल इंजिनियर बनु। सपने को साकार करने के लिए परिजनों ने मुझे इंजिनियर की शिक्षा भी दिलाई है। मैने बी.ई. मैकेनिकल में इंजिनियर की पदवी प्राप्त की है। माता-पिता का सपना पुरा करने पुणे में इंजिनियर की नौकरी ज्वाईट की, लेकिन कोरोना ने मेरी नौकरी छीन ली। किंतु कोरोना से कुछ नया सीखने को भी मिल गया है। आज में स्वयं की खेती में नए-नए फसलों का प्रयोग कर सफल किसान बन चुका हुं। खेती में ही मैने अपना भविष्य बनाने का निर्णय लिया है।

- पंकज रामलाल पटले
मैकेनिकल इंजिनियर
रामाटोला

महाराष्ट्र में बड़ा प्रशासनिक बदलाव रजनीश सेठ ने नए डीजीपी

मुंबई - शनिवार सुबह रजनीश सेठ ने महाराष्ट्र के नए डीजीपी के रुप में कार्यभार संभाला लिया है। पूर्व डीजीपी संजय पांडे ने ऑफिस पहुंच उन्हें कार्यभार सौंपा। उनके पास डीजीपी का अतिरिक्त कार्यभार था। रजनीश 1988 कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं। इससे पहले वे भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) में बतौर महानिदेशक काम कर रहे थे।

संजय पांडे महाराष्ट्र राज्य सुरक्षा निगम के प्रबंध निदेशक के रुप में अपनी सेवाएं दे रहे थे, लेकिन जब सुबोध जायसवाल को डीजीपी के पद से स्थानांतरित कर दिया गया, तब कुछ समय के लिए ये जिम्मेदारी संजय पांडे को सौंप दी गई थी। विपक्ष राज्य के लिए लगातार पूर्णकालिक डीजीपी की मांग कर रहा था। बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी इसे जरुरी बताया था।

रजनीश सेठ ने अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है। फोर्स वन के गठन में उनका बड़ा योगदान है। रजनीश सेठ के करियर की बात करें तो उन्होंने कई अहम पद संभाल रखे हैं। जब मुंबई के आजाद मैदान में दंगे हुए थे, तब रजनीश सेठ लॉ एंड ऑर्डर विभाग के असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर के रुप में सेवा दे रहे थे। वहीं 26/11 हमले के समय जो फोर्स वन का गठन किया गया था, तब उसके प्रमुख भी रजनीश सेठ ही बनाए गए थे। कुछ समय के लिए उन्होंने बतौर गृह विभाग के प्रधान सचिव भी काम कर रखा है।

डीजीपी की रेस में थे तीन अधिकारी

डीजीपी की रेस में के.वेंकटेशम, मुंबई के वर्तमान पुलिस कमिश्नर हेमंत नगराले भी शामिल थे। यूपीएससी की ओर से कुल 10 अधिकारियों में से इन तीन नामों की सिफारिश की गई थी। लेकिन वेंकटेशम के रिटायरमेंट में सिर्फ तीन महीने रह गए थे, ऐसे में सरकार ने रजनीश सेठ को डीजीपी नियुक्त किया।

बाघ से सामना होने पर बाइक छोड़ पेड़ पर चढ़े गश्ती दल के कर्मचारी

बुलंद संवाददाता - पन्ना टाइगर रिजर्व के गश्ती दल के कर्मचारी उस समय दहशत में आ गए जब एक बाघ अचानक बिल्कुल करीब आ गया। जिससे वह अपनी सुरक्षा की दृष्टि से आनन-फानन में बाइक में सवार यह वनकर्मी तुरंत ही बाइक वहीं छोड़कर पास ही स्थित एक ऊंचे पेड़ पर चढ़ गए और राहत की सांस ली। जिसके बाद वनराज रास्ते में ही बैठकर आराम फरमाने लगे, और रास्ते के दोनों ओर कई वाहन आ कर रुक गए। पन्ना टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में स्थित झलारिया महादेव का स्थान है जहां गुफाओं के बीच में भगवान भोलेनाथ की दुर्लभ प्रतिमा के दर्शन वर्ष में केवल एक बार होते हैं और इसीलिए यहां हजारों की संख्या में लोग पहुंचते हैं।

गस्त में लगे कर्मचारियों का अक्सर बाघों से होता रहता है सामना

मामले के संबंध में पन्ना टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक उत्तम कुमार शर्मा ने बताया कि गस्त में लगे हुए कर्मचारियों का अक्सर बाघों से सामना होता रहता है। पीटीआर के अंदर गस्त के कर्मचारी बाइक व पैदल भी भ्रमण करते रहते हैं और बाघों के अचानक सामने आ जाने से कर्मचारी जो उचित समझते हैं उस हिसाब से अपनी सुरक्षा कर लेते हैं। शर्मा ने बताया कि पन्ना टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र के अंदर गुफाओं में महादेव भगवान भोलेनाथ की एक प्राचीन प्रतिमा स्थित है जिसके दर्शन करने के लिए वर्ष में एक बार श्रद्धालुओं को जाने दिया जाता है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पहुंच मार्ग में स्टाफ व सुरक्षा गार्ड लगाए गए थे जिसमें किसी भी श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुरक्षा ना हो। इसी क्रम में रास्ते में एक बाघ का लोकेशन मिल रहा था जो अचानक गश्ती दल के कर्मचारियों के सामने आ गया और गश्ती दल के कर्मचारियों ने पेड़ पर चढ़ गए।

जाणता राजा छत्रपति शिवाजी महाराज की ३९४वी जयंती

मामा चौक जयंती समिति गोंदिया

बुलंद गोंदिया - छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर मामा चौक छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती समिति द्वारा हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई गई। उपरोक्त कार्यक्रम के पांचवें वर्ष के अवसर पर सर्वप्रथम शिवाजी महाराज की प्रतिमा को माल्यार्पण एवं पूजन करने के पश्चात भव्य आतिशबाजी व महाप्रसाद का कार्यक्रम रखा गया था। इस अवसर पर समिति के आयोजक दिलीप सहारे द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। कार्यक्रम में मनीष कावड़े अध्यक्ष, श्रीकांत ऊके, श्याम कोहरे, मयूर सहारे, सुमित भीमटे, राहुल ईटोले, मोनू बनकर, बबलू सिंगनजुड़े, रोहन ठाकरे, तुषार बंसोड, कुक्की सारंगपुरे, विकास ब्राह्मणकर, कुणाल ब्राह्मणकर, सागर सेंद्रे, कृतित्व खोबरागडे, कृषभ राऊत, क्रिश राऊत, मयूर समुद्रे, करण सहारे, सागर तिड़के, गुंजन बिसेन, अक्षय बागड़े, प्रांजल शेंडे, तुषार डोये, जुनैद भाई, तथा मार्गदर्शक मंडल में राजेंद्र कावड़े, बाल्या केकत, गोल्डी गावंडे, गजेंद्र कावड़े, पिंटू माने, श्रीकांत चांदूरकर, स्वामी, सतीश देशमुख, मनोज बिसेन, राहुल यादव, अभय अग्रवाल, राजेश बघेल, मिलिंद बागड़े, हेमंत कवास, चेतानंद लांजेवार, संजय शेंडे, सीनू राव, राकेश लांजेवार, सुरेश रामटेके, सुनील कानशकर, संतोष कुसराम, ओम पाथोड़े, राजू पाल, विकास बिसेन, बालू कोसरकर, सुधीर बागड़े, कपिल तिवारी, दिलीप कोसरे, छोटू ठाकरे, भुवन बिसेन, बबलू भाई व समस्त मामा चौक परिवार उपस्थित था।

युवा कुनबी संघटना का महाआरोग्य जांच शिविर

बुलंद गोंदिया - छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर युवा कुनबी संघटना गोंदिया द्वारा महाआरोग्य जांच शिविर का आयोजन साई मंगलम लॉन गोंदिया में आयोजित किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम के अध्यक्ष युवा कुनबी संघटना गोंदिया के अध्यक्ष व पूर्व विधायक रमेश कुथे ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि सभी नागरिक शासकीय स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ ले तथा चिकित्सक जरुरतमंद लाभार्थियों को योग्य मार्गदर्शन कर समाज सेवा कर समाज का कर्ज वापस करें, ऐसी विनती की। प्रमुख अतिथि के रुप में गोंदिया जिला परिषद की पूर्व अध्यक्ष उषा मेंढे, नगर परिषद बांधकाम सभापति राजू कुथे, पूर्व नियोजन सभापति बंटी पंचबुद्धे, सतीश देशमुख, पार्षद कुंदा पंचबुद्धे उपस्थित थे। इस अवसर पर प्राध्यापक स्नेहलता तरोने ने अपने संबोधन में कहा कि छत्रपति शिवाजी राजे यह कर्तव्यनिष्ठ सामाजिक तथा जनता के हितचिंतक थे। ऐसा हिंदुत्ववादी राजा देश में हुआ जिन्हे माता जिजाऊ द्वारा संस्कार दिये गये। उनकी गुरु मां राजमाता जिजाऊ ही थी। युवा कुनबी संघटना गोंदिया के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य शिविर जांच के साथ-साथ महिलाओं की भव्य बाइक रैली का आयोजन भी किया गया था।

इस अवसर पर हाल ही में जिला परिषद व पंचायत समिति में निर्वाचित समाज के सदस्यों का सत्कार किया गया। जिसमें सौ. उषा भुमेश्वर मेंढे, सौ वदंना राजू काले, किशोर महारवाडे, रुपेश (सोनु) रमेश कुथे, लायकराम भेडांरकर, पचांयत समिती व नगर पचांयत नवनिर्वाचित अकितं भेडांरकर, सतोष बोहरे, डॉ.रुखीराम वाढई, शिलाताई ब्राम्हणकर, कनिराम तावाडे, देवचंद तरोणे, रेखाताई फुंडे का समावेश है। जयंती के अवसर पर महाआरोग्य शिबीर का आयोजन किया या था। जिसमे डॉ. कुशल अग्रवाल, डॉ. नोव्हील ब्राम्हणकर, डॉ.प्रमेश गायधने, डॉ. योगेश सोनारे, डॉ. प्रज्ञा सोनारे, डॉ. मौसमी ब्राम्हणकर, डॉ. रोशन कानतोडे, डॉ.राजेश हत्तीमारे, डॉ. सुमित कुथे, डॉ. हेमने, कॅसंर हॉस्पीटल के डॉ. सौरभ गमेश्राम, डॉ. विलास मेंढे, डॉ. अश्विनी मेंढे, डॉ. मनिषा पाथोडे, डॉ. सुरज बहेकार ने निशुलक सेवा दी।

प्रास्ताविक दुलिचंदराव बुध्दे, सचालन सघंटना सचिव गजेंद्र फुंडे, आभार लिलाधर पाथोडे ने माना। उपरोक्त कार्यक्रम को सफल बनाने राजेश चतुर, महादेव मेंढे, शैलेंद्र फुंड़े, सौ. स्मिता कुथे, सौ. रिता बागडे, अर्चना ठावरे, शारदा ब्राम्हणकर प्रभा बुधे, चारुलता भाडारंकर, जोत्सना कोरे, किरण भेडारंकर, सुनिता तरोने, रजंना झझांड, पूनम फुंड़े, पूनम मेंढे, पुष्पा बहेकार, मेघा ब्राम्हणकर, शिला ब्राम्हणकर, मोनिका ब्राम्हणकर, मंदा गायधने, मंदा गाढवे, पल्लवी राऊत, नमिता मेंढे, मेघा वऱ्हाडे, महादेव मेंढे, मुकेश राखडे, शैलेश अहीरकर, राजेश तावाडे, भुषन फुंडे, सुधिर बागडे, सतोंष ठावरे, धोटु पचंबुधे, सुरेश ठाकरे, विजय ब्राम्हणकर, चंद्रभान तरोन, शैलेंद्र फुंडे गजेंद्र बान्ते, राजेश तावाडे, शैलेश अहीरकर, निलेश बहेकार, प्रशांत कोरे, भाजराम कोरे, जयकुमार भेडांरकर, सुशांत कुथे, रामकृष्ण चौधरी, सुधीर ठवकर, अनिल सेलूकर, घननील पडोले, सुभाष राऊत, प्रकाश पाथोड़े ने विशेष सहयोग किया।

शहर राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी द्वारा राष्ट्रवादी काँग्रेस भवन रेलटोली, गोंदिया मे छत्रपती शिवाजी महाराज जयंती देवेद्रनाथ चौबे, विनोद हरिणखेडे, अशोक सहारे की प्रमुख उपस्थिती मे संपन्न हुयी। इस अवसर पर छत्रपती शिवाजी महाराज के तैलचित्र पर माल्यापर्ण कर श्रद्धासुमन अर्पण किये। इस अवसर पर देवेद्रनाथ चौबे, विनोद हरिणखेडे, अशोक सहारे, मनोहर वालदे, भगत ठकरानी, विनीत सहारे, श्रीमती आशा पाटील, खालीद पठाण, अहमद भाई, हरिराम आसवानी, महेश करियार, हरबक्ष गुरुनानी, विनायक खैरे, नागो बन्सोड, नागेद्रनाथ चौबे, आनंद ठाकुर, रामकृष्ण गौतम, मयुर जडेजा, शैलेश वासनिक, पुरण उके, अविनाश महावत, हर्षवर्धन मेश्राम, सतीश पारधी, रौनक ठाकुर, नरेंद्र बेलगे, वामण गेडाम सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

येगांव ग्राम पंचायत कार्यालय

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव - ग्राम पंचायत कार्यालय येगांव में छत्रपति शिवाजी महाराज शिवजयंती संपन्न हुई। इस अवसर पर सर्वप्रथम छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का पूजन कर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर सरपंच अनिल पालीवाल, उपसरपंच अनुबाई शिवनकर, ग्राम पंचायत सदस्य, तंटामुक्त अध्यक्ष, ग्राम सेवक कु. एल.जी. मसराम, ग्राम पंचायत कर्मचारी व जिला परिषद प्राथमिक शाला येगांव के शिक्षक व ग्राम के नागरिक उपस्थित थे।

अर्जुनी मोरगांव पुलिस की अनोखी भेंट चोरी गया सामान फरियादी को लौटाया

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव - शिव जयंती के अवसर पर अर्जुनी मोरगांव पुलिस द्वारा चोरी गए सोने-चांदी के जेवरात, टीवी व अन्य सामान फरियादियों को वापस कर एक अनोखी भेंट देते हुए शिवजयंती मनाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 जनवरी 2022 की सुबह अर्जुनी मोरगांव निवासी ज्ञानेश्वर पांडुरंग सहारे के घर में जब कोई नहीं था तो अज्ञात आरोपियों द्वारा सेंधमारी कर सोने-चांदी के जेवरात व 43 इंच कलर टीवी चोरी कर लिया गया था। उपरोक्त मामले में अर्जुनी मोरगांव द्वारा शिकायत प्राप्त होते ही घटनास्थल पर मिले सबूतों व गुप्त जानकारी के आधार पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिसमें वडसा निवासी फरदीन राजिक शेख, विकास शर्मा व राजुरा निवासी सचिन उर्फ बादशाह संतोष नगराले, की तलाश कर छत्तीसगढ़ के दुर्ग से हिरासत में लिया। उनके पास से सभी सोने-चांदी के जेवरात व टीवी भी जप्त किया गया। इस मामले में न्यायालय द्वारा जप्त किए गए जेवरात व कलर टीवी फरियादी को वापस देने का आदेश दिया। जिस पर शिव जयंती के अवसर पर अर्जुनी मोरगांव पुलिस द्वारा फरियादी को पुलिस स्टेशन में बुलाकर सभी जेवरात व टीवी वापस किया। पुलिस के इस कार्य पर जिले में सराहना की जा रही है। उपरोक्त मामले की जांच पोलीस अधीक्षक गोंदिया विश्व पानसरे, अपर पोलीस अधीक्षक गोंदिया अशोक बनकर, उपविभागीय पोलिस अधिकारी देवरी संकेत देवळेकर व पोलीस निरीक्षक चंद्रकांत सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में सहायक पोलीस निरीक्षक सोमनाथ कदम व पोलीस हवालदार गोंडाणे, पोलीस नाईक प्रवीण बेहरे, रमेश सेलोकर, गौरीशंकर कोरे, श्रीकांत मेश्राम, राहुल चीचमालकर, पोलीस शिपाई लोकेश कोसरे, मोहन कुहीकर ने की।

गोंदिया जिला मनसे

बुलंद गोंदिया - छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती शासकीय विश्रामगृह में गोंदिया जिला मनसे के जिला अध्यक्ष मनीष चौरागढ़े की अध्यक्षता में संपन्न हुयी। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष चौरागढ़े द्वारा शिवाजी महाराज के तैलचित्र पर माल्यार्पण किया गया। जिला उपाध्यक्ष मुकेश मिश्रा, तहसील अध्यक्ष सुरेश ठाकरे, शहर अध्यक्ष राजेश नागौसे, शहर उपाध्यक्ष क्षितीज वैद्य, आनंद राहुलकर, कृष्णा डोंगे व सभी महाराष्ट्र सैनिकों ने पुष्प अर्पण कर अभिवादन किया।

शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय

बुलंद गोंदिया - छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती का कार्यक्रम शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय में अधिष्ठाता डॉ. अपूर्व पावडे की प्रमुख स्थिति में आयोजित की गई। इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. पावडे ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा को पुष्प अर्पण कर अभिवादन किया। जिसके पश्चात छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर उन्होंने अपने विचार व्यक्त किए। शिवाजी महाराज सच्चे अर्थों में जनता के राजा थे। जाति, धर्म, भेदभाव

को दूर कर मनुष्य को मनुष्यता सिखाने वाले राजा छत्रपति शिवाजी महाराज थे। लोकतंत्र की सच्चे अर्थों में उन्होंने ही शुरुआत की थी, ऐसे विचार अधिष्ठाता ने व्यक्त किए। उपरोक्त कार्यक्रम में कार्यालय अधीक्षक ठाकरे, वरिष्ठ लिपिक कटरे, श्रीमती व्यवहाडकर, पीएचएन डोंगरे, समाज सेवा अधीक्षक तथा लघुलेखक घाडगे, दादळे, बारसे व अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। उपरोक्त कार्यक्रम का संचालन लांजेवार ने किया तथा कार्यक्रम की सफलता के लिए श्रीमती खोटे, लांजेवार, डोले, रामटेके, महावत ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अखिल भारतीय मराठा महासंघ गोंदिया

बुलंद गोंदिया - हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती जय जय जिजाऊ, जय जय शिवराय के जयघोष व हर हर महादेव की जय जयकार कर अखिल भारतीय मराठा महासंघ द्वारा सूर्याटोला में शिवाजी महाराज की जयंती संपन्न की गई। उपरोक्त कार्यक्रम की शुरुआत मराठा महासंघ के अध्यक्ष महेंद्र तूपकर द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा को पुष्पहार अर्पण कर व पूजा अर्चना कर की। इसके पश्चात मराठा महासंघ महिला अध्यक्ष श्रीमती सीमा बड़े व सचिव संतोष जाधव

ने शिवाजी महाराज की प्रतिमा को पुष्प अर्पण कर वंदना की। साथ ही उपस्थित सभी अतिथियों द्वारा शिव छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये गये। इस अवसर पर पार्थ पंकज तुपकर द्वारा शिव गर्जना की प्रस्तुति की। आयोजित कार्यक्रम में भावना कदम, दीपक कदम, संतोष शुरसे, आलोक पवार, अविनाश पवार, मोहन काले, आनंद देवकर, रितेश वाकचौरे, विजया तुपकर, मीना तुपकर ने कार्यक्रम को सफल बनाने विशेष सहयोग दिया। जयंती के पूर्व परिसर को स्वच्छ कर पूर्व तैयारी पंकज तुपकर, आकाश तुपकर, गीतेश तुपकर द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया। उपरोक्त कार्यक्रम के पश्चात मराठा महासंघ के सभी सदस्यों द्वारा मनोहर चौक स्थित शिव जयंती कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज की गयी। 9.00 बजे शिवाजी सरोवर पांगोली में आयोजित कार्यक्रम में अखिल भारतीय मराठा महासंघ के पूरे सदस्य उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत गर्रा

बुलंद गोंदिया - गोंदिया तहसील अंतर्गत आनेवाली ग्राम पंचायत गर्रा बुर्ज में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती सरपंच कुलदीप पटले की अध्यक्षता में मनाई गई। इस अवसर पर कुलदीप पटले द्वारा दीप प्रज्वलन कर शिवाजी महाराज की प्रतिमा का पूजन कर माल्यार्पण अर्पित किया।

उपरोक्त कार्यक्रम में सरपंच कुलदीप पटले, उपसरपंच आशीष मिश्रा, ग्राम पंचायत सदस्य मनोज बोरकर, गमचंद तुरकर, सुरेश कुथिरकर, उषा बरडे, मिनेश्वरी भगत, सरिता ताडेकर, कीर्तीलाल डोंगरे व कर्मचारी मधुकर पटले, रुपचंद नागरिकर, योगेश न्यायकरे, पप्पू गौतम के साथ ग्राम गर्रा के नागरिक उपस्थित थे। सभी ने मिलकर छत्रपति शिवाजी महाराज की 394 वी जयंती मनाई।

पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल गोंदिया

बुलंद गोंदिया - पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल गोंदिया में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। पश्चात छत्रपति शिवाजी महाराज की पालकी निकाली गई तथा विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा पवाड़ा गायन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य महेंद्र जगदाले ने शिवाजी महाराज के जीवन से जुड़ी अनेक घटनाओं, उनका शासनकाल, उनके चरित्र, शौर्य एवं पराक्रम आदि की महत्वपूर्ण जानकारी दी। सभी विद्यार्थी शिवाजी महाराज के जीवन काल से जुड़ी हुई घटनाओं से अवगत हुये।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य महेंद्र जगदाले, एचएम सुमन खंडेलवाल, रवी जायसवाल, विद्यार्थीगण एवं शिक्षकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कक्षा दसवीं की छात्रा हिमांशी तायडे द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शाला के समस्त विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जय भवानी - जय शिवाजी

पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस विधायक विजय रहांगडाले के निवास पर पहुँच दी सांत्वना भेंट

बुलंद संवाददाता तिरोड़ा - महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के प्रतिपक्ष नेता देवेंद्र फडणवीस 22 फरवरी को गोंदिया जिले के तिरोडा विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजय रहांगडाले के गृहग्राम खमारी पहुँचे। उनका ये दौरा रहांगडाले परिवार के गम में शामिल होकर सांत्वना भेंट का रहा। गौरतलब है कि 25 जनवरी 2022 को वर्धा-देवली मार्ग पर सड़क हादसे में विधायक विजय रहांगडाले के इकलौते पुत्र अविष्कार रहांगडाले की मौत हो गई थी। इस घटना में अविष्कार के साथ ही 6 अन्य एमबीबीएस के छात्र भी काल के गाल में समा गए थे। इस दुःखद घटना ने पूरे देश को हिला दिया वहीं रहांगडाले परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस के आज खमारी ग्राम पहुँचते ही विधायक रहांगडाले अपना दबा दर्द संभाल नहीं पाए, और फफक कर रो पड़े। फड़नवीस ने उन्हें सांत्वना दी, और उनका ढाढस बांधा। फड़नवीस ने अविष्कार के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित किए और अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान फडणवीस के साथ गोंदिया-भंडारा विधान परिषद क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व पालकमंत्री डॉ. परिणय फुके उपस्थित रहे। वहीं क्षेत्र के सांसद सुनील मेंढे, संगठन मंत्री बाला अंजनकर, तिरोडा नप अध्यक्ष सोनाली देशपांडे, हेमंत पटले, खोमेश रहांगडाले, इंजि. आशीष बारेवार, विश्वजीत डोंगरे, डॉ. लक्ष्मण भगत, मदन पटले, माधुरी रहांगडाले, ओम कटरे, भाऊराव कठाने, पप्पू येटरे, रजनीताई सहित अन्य भाजपा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

चुनाव में जीत से और अधिक विनम्र व नागरिकों की सेवा में तत्पर रहें भाजपा कार्यकर्ता - पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल

बुलंद गोंदिया - पंढराबोडी जिला परिषद क्षेत्र के सभी प्रमुख भाजपा कार्यकर्ताओं की विशेष सभा पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल की प्रमुख उपस्थिति में ग्राम नीलज में संपन्न हुई। इस अवसर पर पूर्व विधायक अग्रवाल के हस्ते भाजपा के नवनिर्वाचित जिला परिषद सदस्य शांताबाई गुणीलाल देशभुतार व पंचायत समिति सदस्य भुवन नागपुरे को शाल व श्रीफल भेंट देकर सत्कार किया। सभी कार्यकर्ताओं का इस जीत के लिए आभार व्यक्त करते हुए पक्ष एवं संगठन मजबूती के लिए आम नागरिकों को पक्ष संगठन से जोड़ने का आहवान किया। अपने संबोधन में कहा कि चुनाव में जीत से और अधिक विनम्र रहकर नागरिकों की सेवा में सदैव तत्पर रहे भाजपा कार्यकर्ता। आयोजित सभा में पूर्व पंचायत समिति सदस्य जगतराय बिसेन, बंडू शेंडे, रंजीत भालाधरे, पूर्व जिप सदस्य रुद्रसेन खाडेकर, गिरोला के सरपंच प्रकाश ताडेकर, पाडंराबोडी के उपसरपंच भुवन सुलाखे, रंजन गेडाम, गुनीलाल देशभ्रतार, श्यामलाल ठाकरे, अमरलाल चौधरी, नरेश मेश्राम, महेश साउसकर, प्रेमलाल मेश्राम, गजानंद बिसेन, मधुकर हनवते, बेनीराम कारे, संजय वैद्य, गणेश हरिनखेडे सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित थे।

राज्य में नगर परिषदों के आगामी कार्यकाल के लिए

मई में चुनाव की संभावना

१ अप्रैल को मिलेंगी प्रभाग रचना को मान्यता

बुलंद गोंदिया - राज्य में अ, ब और क श्रेणी की नगर परिषद जिनका कार्यकाल फरवरी, मार्च व अप्रैल में खत्म हो रहा है। इन नगर परिषदों के चुनाव के लिए 22 फरवरी को चुनाव आयोग द्वारा दिशा निर्देश जारी किया गया है। जिससे अब संभावना जताई जा रही है कि नगर परिषद के चुनाव मई माह में संपन्न होंगे।

विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार चुनाव आयोग द्वारा जारी की गई दिशा निर्देशों के अनुसार 2 मार्च तक प्रारुप प्रभाग रचना के प्रस्ताव प्रभाग संख्या, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति का 2011 की जनगणना के अनुसार लोकसंख्या, क्षेत्र सीमांकन व नक्शा संबंधित जिलाधिकारी के माध्यम से राज्य चुनाव आयोग को पेश करना है। जिस पर 7 मार्च तक चुनाव आयोग द्वारा अपनी मान्यता दी जाएंगी व समाचार पत्रों व जिला अधिकारी तथा नगर परिषद की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएंगी। 10 मार्च को प्रकाशित प्रारुप प्रभाग रचना पर आछेप की 17 मार्च तक अंतिम तिथि है। प्राप्त आछेपो पर 23 मार्च तक जिलाधिकारी द्वारा सुनवाई कर उसका अभिप्राय 25 मार्च तक चुनाव आयोग को भेजा जाएगा। अंतिम प्रभाग रचना 1 अप्रैल 2022 को मान्यता दी जाएंगी। जिसे अब संभावना प्रबल हो गई है कि अप्रैल-मई माह में नगर परिषद के चुनाव संपन्न हो जाएंगे। गोंदिया जिले में अ श्रेणी की गोंदिया नगर परिषद व ब श्रेणी की तिरोडा नगर परिषद के साथ नवनिर्मित नगर परिषद आमगांव का समावेश है। 22 फरवरी को उपरोक्त आदेश के जारी होने होने पर अब अप्रैल व मई माह में चुनाव होने की संभावना को देखते हुए चुनाव की तारीखों की अटकलों पर विराम लगता नजर आ रहा है। सभी राजनीतिक दल के संभावित उम्मीदवारों द्वारा चुनाव लड़ने की तैयारियों के साथ-साथ अपने क्षेत्रों में जनसंपर्क बढ़ा दिया है।

मार्गों के किनारे अतिक्रमण पर नप का चेतावनी अभियान

होंगी कड़ी कार्रवाई

बुलंद गोंदिया - गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत मार्गो पर दुकाने लगाकर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण किया गया है। जिस पर अब नगर परिषद प्रशासन ने कड़ा रुख अपना लिया है। इन अतिक्रमण के चलते शहर के मार्गो का यातायात चरमराने लगता है। इस गंभीर समस्या को देखते हुए प्रशासक व मुख्याधिकारी करण चौहान के आदेशानुसार बाजार विभाग के प्रमुख मुकेश मिश्रा व उनके दल द्वारा 17 फरवरी को शहर के सभी प्रमुख मार्गो पर अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी है कि वह मार्गो पर अतिक्रमण न करें। यदि इसके पश्चात अतिक्रमण पाया जाता है तो नगर परिषद प्रशासन द्वारा उनके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई कर पुलिस में मामला दर्ज किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि गोंदिया नगर परिषद में अब प्रशासक राज होने से नगर परिषद यंत्रणा द्वारा शहर में अतिक्रमण के खिलाफ एक विशेष अभियान भी शुरु किया जा रहा है। इस प्रकार की जानकारी नगर परिषद के सूत्रों द्वारा दी गई है। यह अभियान प्रशासक व नगर परिषद मुख्याधिकारी करण चौहान के आदेशानुसार बाजार विभाग प्रमुख मुकेश मिश्रा व उनके दल तथा शहर पुलिस विभाग के सहयोग से किय जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत जयस्तंभ चौक से मनोहर चौक, जयस्तंभ चौक से नेहरु प्रतिमा, नेहरु प्रतिमा से गोरेलाल चौक तक कार्रवाई की गई है। जल्द ही नगर परिषद चांदनी चौक, बाजार परिसर व शहर के अन्य क्षेत्रों में भी कार्यवाही की जाएगी। उल्लेखनीय है कि गोंदिया शहर के प्रमुख प्रवेश नाकों पर भी अतिक्रमण बड़े पैमाने पर हो चुका है। जिसमें वाहन चालकों का मार्ग पर चलना काफी दुभर हो गया है। जिसमें कुडवा नाके से पाल चौक तक, मरारटोली रेलवे चौकी से शासकीय विश्रामगृह गुरुद्वारा चौक तक, रेलवे स्टेशन रेलटोली परिसर, चौपाटी परिसर, स्टेडियम व मुख्य बाजार तथा स्टेशन मार्ग का समावेश है। क्या नगर परिषद द्वारा उपरोक्त मार्गों पर कड़ी कार्रवाई इस अभियान के अंतर्गत की जाएंगी? यह आनेवाला समय ही बताएगा या फिर कार्रवाई के नाम पर प्रश्नचिन्ह निर्माण होगा।

महाराष्ट्र ग्राम रोजगार सेवक संघर्ष समिति के मीडिया प्रमुख पद पर संतोष रोकड़े की नियुक्ति

बुलंद संवाददाता अर्जुनी मोरगांव - महाराष्ट्र राज्य ग्राम रोजगार सेवक संघठन की सभा जलगांव में आयोजित की गई थी। जिसमें महाराष्ट्र राज्य ग्राम रोजगार सेवक संघर्ष समिति का गठन किया गया। उपरोक्त समिति में महाराष्ट्र राज्य ग्राम रोजगार सेवक संघटन में समिति संगठक मीडिया प्रमुख के रुप में गोंदिया जिले के अर्जुनी मोरगांव तहसील निवासी संतोष रोकड़े का चयन किया गया। संतोष रोकड़े के चयन होने पर महाराष्ट्र राज्य ग्राम रोजगार सेवक संघर्ष समिति के पदाधिकारी तथा गोंदिया जिले के सभी ग्राम रोजगार सेवको द्वारा अभिनंदन किया गया। उपरोक्त पद पर नियुक्ति होने पर सदैव संगठन के हित में कार्य करता रहूंगा ऐसा प्रतिपादन प्रतिनिधि से चर्चा के दौरान संतोष रोकड़े द्वारा किया गया।

ग्रापं कावराबांध में मैदान समतलीकरण घोटाला

रोहित बनोटे ने पत्रकार परिषद में लगाया आरोप

बुलंद संवाददाता सालेकसा - सालेकसा तहसील के अंतर्गत आनेवाली ग्राम पंचायत कावराबांध के तहत मोहाटोला ग्राम में मनरेगा के अंतर्गत मैदान समतलीकरण का कार्य ग्राम पंचायत के माध्यम से वर्ष 2017 में किया गया था। उपरोक्त कार्य स्थानीय नागरिकों को कार्य देने के उद्देश्य से मनरेगा के अंतर्गत मंजूरी दी गई थी। किंतु इस कार्य में मनुष्य बल का उपयोग न कर जेसीबी मशीन से कार्य किया गया। जिसमें मुरुम के स्थान पर तलाव से निकलनेवाली गाद का उपयोग किया गया। ऐसा आरोप राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस के तहसील अध्यक्ष रोहित बनोटे ने पत्र परिषद के माध्यम से लगाया है।

गौरतलब है कि मैदान समतलीकरण का कार्य शुरु रहने के समय ग्राम पंचायत के माध्यम से तालाब गहरीकरण का कार्य शुरु था। जिसमे तलाव से निकलने वाली गाद व मिट्टी का उपयोग मैदान समतलीकरण करने में उपयोग किया गया है। जिससे अब मैदान में बड़ी संख्या में घास उग चुकी है। जिससे विद्यार्थियों को काफी परेशानियां हो रही है। उपरोक्त प्रकरण में तत्कालीन सरपंच, अभियंता बिसेन की जानकारी व मार्गदर्शन में घोटाला किया गया है। इस प्रकार का गंभीर आरोप पत्र परिषद में रोहित बनोठे द्वारा लगाया गया है। साथ ही आरोप लगाया कि क्षेत्र के नागरिकों को मिलने वाला रोजगार न देकर जेसीबी मशीन से कार्य किया गया है। जिससे मजदूरों को रोजगार से भी वंचित किया गया तथा कार्य घटिया दर्जे का किया गया। जिससे उपरोक्त स्थान पर फिर से काम करने की आवश्यकता निर्माण हो गई है। जिससे शासन को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। तलाव प्रकरण में दोषियों पर कार्रवाई कब होंगी? इसके पूर्व इसी प्रकार के एक तलाव की शिकायत भी जिला तक्रार निवारण अधिकारी जमाईवार को शिकायतकर्ता द्वारा की गई थी। जिसकी सुनवाई जांच कर अहवाल के माध्यम से दोषियों पर कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है। किंतु अब तक उपरोक्त प्रकरण में किसी भी दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई है। जिससे उपरोक्त आदेश पर प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है।

मुरदाड़ा घाट से रेती का अवैध परिवहन १० ट्रैक्टर जप्त

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले के रेती घाटों से रेत माफियाओं द्वारा अवैध रुप से बड़े पैमाने पर रेत का अवैध उत्खनन अभी भी किया जा रहा है। जिसकी गुप्त जानकारी प्राप्त होने पर 22 फरवरी की सुबह 6 बजे के दौरान गोंदिया की उपविभागीय अधिकारी पर्वणी पाटिल व तहसीलदार अनिल खड़तकर के दल द्वारा गोंदिया तहसील के अंतर्गत आनेवाले मुरदाडा रेती घाट पर छापामार कार्यवाही कर अवैध रुप से रेती का परिवहन कर ले जा रहे 10 ट्रैक्टर जप्त किये गये। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार अरुण कदम, अव्वल कारकुन, मुकुंद तिवारी, पटवारी रोहित बिसेन, अमित बडोले, सुभाष कापसे, देवेंद्र भोयर, प्रफुल मेश्राम, विक्रम थुलकर, राजेंद्र आव्हाड, अविनाश शिवनकर, नितिन बुचे, संजय चौरे, गोवर्धन हटवार तथा वाहन चालक शुभम ऊईके द्वारा की गई।

कचारगढ़ के विकास के लिए एकजुटता से काम करें - कुलस्ते

प्रतिनिधि सालेकसा - कचारगढ़ यह देश-विदेश के आदिवासी समाज का आस्था का केंद्र है। साथ ही एशिया खंड की सबसे बड़ी गुफा होने की वजह से यहाँ भरपूर पर्यटन के अवसर है। कचारगढ़ यह आस्था व पर्यटन का केंद्र है। प्रतिवर्ष इस स्थल पर देश के 18 राज्यों सहित विदेश के आदिवासी भाई-बहन अपने श्रद्धा व आस्था से लाखों की संख्या में आते हैं। इस हेतु इस स्थल का सर्वांगीण विकास होना आवश्यक है। हम सब को एकजुटता के साथ काम करना होगा। केंद्र सरकार और राज्य सरकार इस स्थल का विकास करने हेतु निधि देने को तैयार है। पिछली सरकार के समय भी इस स्थल के विकास के लिए 5 करोड की निधी मंजूर हुई थी। किंतु नियोजनबद्ध योजना न होने से यह निधि वापस चली गई। ऐसा फिर न हो इस हेतु स्थानीय समिति के अधिकारी व जनप्रतिनिधि एक साथ मिलकर नियोजन करना होगा। साथ ही कचारगढ़ की जमीन वन विभाग की है, वह जब तक ग्राम पंचायत को हस्तांतरित नहीं होगी तब तक निधि खर्च कर विकास नहीं हो सकता। इस हेतु सभी को एकजुट होकर इस क्षेत्र के विकास हेतु काम करना होगा। इस आशय के उद्गार केंद्रीय राज्यमंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते ने व्यक्त किए।

वे कचारगढ़ यात्रा में चौथे दिन आयोजित महापूजा में शामिल होने के लिए उपस्थित थे। इस अवसर पर उनके साथ विधायक अशोक उईके रालेगांव, पूर्व विधायक संजय पुराम, भाजपा आदिवासी आघाडी महामंत्री शंकर मडावी, कचारगढ़ देवस्थान समिती अध्यक्ष दुर्गाप्रसाद कोकोडे, सचिव बारेलाल वरखडे, भाजपा तहसील अध्यक्ष मुन्ना बिसेन, सालेकसा नगर पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र उईक, भाजपा जिला उपाध्यक्ष घनश्याम अग्रवाल, पत्रकार यशवंत मानकर आदि उपस्थित थे। उन्होंने आगे कहा कि मैं प्रतिवर्ष इस स्थल पर आता रहा हूं, इसके विकास के लिए हम सभी एक साथ आकर एकजुट होकर काम करेंगे।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

सांसद पटेल व वर्षा पटेल के जन्मदिवस पर विभिन्न कार्यक्रम

बुलंद गोंदिया - राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता सांसद प्रफुल पटेल तथा वर्षा पटेल के जन्मदिवस के अवसर पर 17 फरवरी को जिला राष्ट्रवादी कांग्रेस द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर कार्यक्रमों के साथ-साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस सदस्यता अभियान शुरु किया गया। सांसद प्रफुल पटेल व वर्षा पटेल की लंबी आयु की प्रार्थना की गई। उपरोक्त कार्यक्रम पूर्व विधायक राजेंद्र जैन के मार्गदर्शन में किया गया था। आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख रुप से विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे, पूर्व सांसद खुशाल बोपचे, गंगाधर परशुरामकर, नरेश माहेश्वरी, देवेंद्रनाथ चौबे, प्रभाकर दोनोडे, कमलबापू बहेकार, राजलक्ष्मी तुरकर, योगेंद्र भगत, बाळकृष्ण पटले, कुंदन कटारे, प्रेम रहांगडाले, केतन तुरकर, किशोर तरोणे, लोकपाल गहाणे, रफिक खान, रमेश ताराम, मनोज डोंगरे, अशोक शहारे, सुरेश हर्षे, जगदीश बावनथडे, किरण पारधी, अर्जुनी नगर पंचायत अध्यक्ष मंजुषा बारसागडे, सडक अर्जुनी नगर पंचायत अध्यक्ष तेजराम मडावी, उपाध्यक्ष वंदना डोंगरवार, राजेश भक्तवर्ती, रवी पटले, सौ. अश्विनी पटले, उमराव मांढरे, शिवाजी गहाणे, गोपाल तिवारी, प्रशांत बालसनवार, आम्रपाली डोंगरवार, पुष्पलता दुरुगकर, यशवंत गणवीर, रतिराम राणे, विष्णू शर्मा, वाय.टी. कटरे, रमेश गौतम, दीनदयाल डोंगरवार, के.एच. बिसेन, किरणताई कांबळे, पारबता चांदेवार, रजनीताई गिऱ्हेपुंजे, कृष्णा कोरे, सुमनताई बिसेन, रिताताई लांजेवार, निशाताई मस्के, माधुरी पिंपळकर, उषा वाडई, चित्रलेखा मिश्रा, ईश्वरी टेटे, शीला ब्राम्हणकर, दीक्षा सहारे, वनिता नाईक तथा बड़ी संख्या में राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

क्रेन की टक्कर से माली समाज के अध्यक्ष की मौत

खमारी मे चक्काजाम आंदोलन

विधायक अग्रवाल भी डटे रहे देर रात तक

बुलंद गोंदिया - गोंदिया- आमगाव मार्ग पर क्रेन की टक्कर से माली समाज के अध्यक्ष की मृत्यु हो जाने की घटना 18 फरवरी शाम 5 पांच बजे के दौरान खमारी नाला मार्ग पर हुई। इस घटना को लेकर ग्रामीनो में तीव्र असंतोष निर्माण हो गया। जब तक मृतक के परिजन को आर्थिक मुवावजा नही दिया जाता है तब तक पोस्टमार्टम होने नही दिया जायेगा। इस मांग को लेकर खमारीवसियों ने चक्काजाम आंदोलन शुरु कर दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही विधायक विनोद अग्रवाल भी घटनास्थल पर पहुंचकर रात साडे तीन बजे तक चक्काजाम आंदोलन में डटे रहे। मामले की गंभीरता को देखते हुए गोंदिया जिला पोलीस दल के वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। ग्रामीण पोलीस थाना में क्रेनचालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जाचं शुरु कर दी गई है।

प्राप्त जाणकारी के अनुसार मृतक तेजराम किरनापुरे खमारी ग्राम के माली समाज के अध्यक्ष हैं। जब वे गोंदिया से सायकल पर सावर होकर खमारी की ओर आ रहे थे, इस दौरान क्रेन ने टक्कर मार दी। इस घटना में वे गंभीर रुप से घायल हो गये। ग्रामिणों ने उसे अस्पताल में भरती किया। किंतु उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक तेजराम गरीब परिवार से होकर मजदूरी का काम करता था। उसके परिवार की आर्थिक हालत बहुत ही कमजोर है। इसलिये ग्रामीणों की मांग है कि मृतक के परीजन को आर्थिक मदत कर परिवार को न्याय उिया जाये। इसी मांग को लेकर ग्रामीणों द्वारा रात साडे बारा बजे से तड़के साडे तीन बजे तक चक्काजाम आंदोलन किया गया। इस आंदोलन मे विधायक विनोद अग्रवाल भी आंदोलनकारियों के साथ डटे रहे।

जंगली सूअर का शिकार कर मटन बेचनेवाला हिरासत में

बुलंद संवाददाता देवरी - देवरी तहसील के अंतर्गत आनेवाले ग्राम शीलापुर /भोयरटोला जंगल परिसर में जंगली सूअर का शिकार कर मटन बेचनेवाले एक आरोपी को वन विभाग द्वारा रंगे हाथों धर दबोचा गया। गौरतलब है कि गोंदिया जिले के वन परिसर क्षेत्रों में वन्य जीवों का शिकार कर उसका मटन बेचने के मामले अनेकों बार सामने आते रहे हैं। देवरी तहसील के तहत आनेवाले ग्राम शिलापुर भोयरटोला में 22 फरवरी को जंगल परिसर में ग्राम निवासी आरोपी कोदु लटये द्वारा जंगली सूअर का शिकार कर उसका मटन बेचा जा रहा था। इसकी जानकारी वड़ेगांव बीट के वनरक्षक सुनील उईके को प्राप्त होते ही मटन बेचते हुए आरोपी को रंगे हाथों धर दबोचा गया। उपरोक्त प्रकरण में देवरी वन विभाग द्वारा मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई शुरु है।

अवैध संबंधों के चलते परेशान विवाहिता ने की आत्महत्या

बुलंद संवाददाता, आमगांव - आमगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम ठाना निवासी विवाहित महिला दीपा धर्मेन्द्र मेहर द्वारा अपने पति के उसकी भाभी के साथ अवैध संबंध व इसके चलते बार-बार प्रताड़ित किए जाने के कारन परेशान होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में प्राप्त जानकारी के अनुसार आमगांव तहसील के अंतर्गत आनेवाले ग्राम ठाना निवासी धर्मेन्द्र सखाराम मेंहर (42) का दीपा से यह दूसरा विवाह था। वर्ष कोरोना संक्रमण से उसकी पहली पत्नी का निधन हो गया था। जिससे उनके दो बच्चे भी हैं। गत 4 माह पूर्व ही दीपा से उसका दुसरा विवाह हुआ था। विवाह के पश्चात से दीपा को उसके पति धर्मेन्द्र मेंहर द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा था। क्योंकि धर्मेन्द्र व उसकी भाभी के अवैध संबंधों का दीपा द्वारा विरोध किया जा रहा था। मृतक विवाहिता के परिजनों हिमांशु गिरिपुंजे व मंदाकिनी गिरिपुंजे द्वारा आरोप लगाया गया कि धर्मेन्द्र का उसकी भाभी से अवैध संबंधों के चलते व दीपा को मानसिक व शारीरिक रुप से लगातार प्रताड़ित कर रहा था। इसके साथ ही दहेज की मांग को लेकर भी परेशान व प्रताड़ित होने के चलते दीपा अपने मायके आ गई थी। 4 दिनों पूर्व ही वह अपनी ससुराल पहुंची व 16 फरवरी को अपने घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या करने की जानकारी मिली। यह आत्महत्या नहीं हत्या है का मामला पीड़िता के परिजनों द्वारा आमगांव पुलिस थाने में दर्ज कराया। इस संदर्भ में आमगांव पुलिस थाने के पुलिस उप निरीक्षक श्रीकांत पवार द्वारा जानकारी दी गई कि उन्हें कुछ सबूत प्राप्त हुए हैं, जिसके आधार पर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर हिरासत में लिया गया

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।